

## LAQSH Job Skills Academy -Madhya Pradesh June2023

### व्यावसायिक शिक्षा से कौशल और प्रतिभा का विकास !

व्यावसायिक कौशल अकादमिक शिक्षा से भिन्न हैं। यहां हम ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण पर अधिक जोर देते हैं जो छात्रों को व्यावहारिक चुनौतियों और कार्य स्थितियों से निपटने में मदद करते हैं। कौशल कार्यक्रम केवल कौशल पर जोर देते हैं। हालाँकि स्कूलों में किए जाने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में हम व्यावहारिक कौशल के साथ-साथ अंतर्निहित सैद्धांतिक ज्ञान पर भी जोर देते हैं। हमारा ध्यान 21वीं सदी में तेजी से बदलते कार्यस्थल में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल पर भी है। इनमें संचार कौशल, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता शामिल हैं। व्यावहारिक और कौशल सीखने पर यह जोर छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने और अपनी आजीविका कमाने के लिए जबरदस्त आत्मविश्वास देता है। यहां हम पंजाब के अपने कुछ शिक्षकों और छात्रों के अनुभव साझा करना चाहेंगे। हमारे लिए, इन कार्यक्रमों की आवश्यकता और हमारे छात्रों की जीवन यात्रा पर इसके प्रभाव के बारे में उनकी कहानियों से अधिक स्पष्टता से कुछ भी नहीं बताया गया है। यहां उनमें से कुछ हैं, उनकी आवाज में और हमारे भावुक शिक्षकों के प्रतिबिंब के माध्यम से।





## LAQSH Job Skills Academy -Madhya Pradesh June2023

“ रास्ते चलने से बनती हैं ”

यह कहानी है ऋषि ढीमर की पिता-श्री हरिलाल ढीमर, ग्राम-छिरहटी, तहसील-बुढ़ार, जिला-शहडोल (म.प्र.)। ऋषि शास. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय बुढ़ार में कक्षा 10वीं का छात्र है। ऋषिको इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में रूचि होने के कारण उसने कक्षा 9वीं में व्यावसायिक शिक्षा योजना के अंतर्गत चल रहे व्यावसायिक पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स & हार्डवेयर ट्रेड का चुनाव किया था, जिसमे उसने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर से जुड़े विभिन्न प्रकार के उपकरणों सुधारना एवं मरम्मत करना सीखा और बहुत से उपकरण जैसे एलइडी बल्ब, प्रेस, पंखा, घरेलू वायरिंग, इलेक्ट्रिक बोर्ड, मिक्सर, आर.ओ. वाटर प्यूरीफायर की आदि विभिन्न उपकरणों को सुधारने आने लगा। ये सब व्यवसायिक शिक्षा के कारण ही संभव हो पाया। जिसका श्रेय विद्यालय में पदस्थ व्यावसायिक प्रशिक्षक श्री राहुल कोरी सर को जाता है। जिन्होंने ऋषि का उत्साह बढ़ाया और निरंतर नए-नए उपकरणों को सुधारने में मदद की और सर के द्वारा विद्यालय में लगे इलेक्ट्रिक पंखा, बोर्ड जैसे उपकरणों के फाल्ट को पहचानना और उन्हें बनाने में मदद मिली और आज वह अपने गांव के घरों के विभिन्न घरेलू उपकरणों को सुधारकर परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे उसके और उसके परिवार का खर्च निकल जाता है और वह इस तरह परिवार की जीविकोपार्जन में मदद कर रहा है। ऋषिको पूछे जाने पर बताया-‘व्यवसायिक शिक्षा ने मेरी पूरी तरह से सहायता की। हमारे विद्यालय की प्राचार्या श्रीमति रेवा रानी पांडेय मैडम जी का बहुत आभारी हूँ। जो निरंतर हमारा उत्साहवर्धन करती रहीं हैं,



और आज मैं अपने परिवार के लिए आर्थिक मदद कर रहा हूँ व्यवसायिक शिक्षा मेरे जीवन का अभिन्न अंग बन कर मेरे जीवन को आगे बढ़ा रही है।’



## LAQSH Job Skills Academy -Madhya Pradesh June2023

### It's not always easy, but it's worth it !!

This is the story of two brothers, Vijendra Marko and Aman Marko, who belong to a small village Umaria, (Mandla) where despite the problems of electricity, road, and water these brothers have done what will be an inspiration for all.

Vijendra and Aman are cousin brothers, Vijendra's father(Pancham Singh marko) is a farmer by profession and has been a guest teacher in the past, and Aman's elder brother (Dilip Marko) has a shop for repairing electronics in Bakori. Both these students passed 8th class first division from village Umaria and took admission in CM RISE secondary school, Sagar in 9th class, then they came to know that there is electronics & hardware trade in their school.

They had some knowledge about electronics and when they told their fathers about this course, their fathers were very happy and suggested that they enroll for it. Over time, these two brothers went to school and learnt a lot about mixers, wiring of the house, wiring of the stairs, opening a fan motor, changing bearings, making projects etc.

Everyday before and after school they also went to Aman's brother's shop to practice. Every Sunday they sat in the shop and also went home to home to repair coolers , changed switches, regulators, capacitors etc and earn up to Rs 5,000 monthly. It seems as if their eagerness to learn is increasing day by day. Seeing them, other students of the school are also inspired.



Both Vijendra and Aman are among the promising students of the school. The teachers of the school are also impressed, the Principal sir always praises these children. These brothers have decided to pursue electrical engineering in future.



## मेहनत करके सफलता की ऊंचाईया छुयों 👍

हम आपको शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरम्भा के 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक असाधारण छात्र सागर नगपुरे से मिलवाते हुए रोमांचित हैं, जिन्होंने विकास और सफलता की एक उल्लेखनीय यात्रा शुरू की है।

सागर की शैक्षणिक यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने 9वीं कक्षा में व्यावसायिक ट्रेड इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर विषय चुना, सागरने इस विषय को दो साल कक्षा 10 वी तक पढ़कर इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स के कांसेप्ट को समझा।

उन्हें धीरे धीरे घरेलु उपकरणों जैसे - पंखा , कूलर , मिक्सर , विद्युत मोटर इत्यादी की मरमत आने लगा तथा अब सागर नगपुरे अपने गांव मे स्थित इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान "डोहरे इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स आरंभा " में विदुत समग्री को सुधारने का कार्य करता है, तथा उससे महीने का लगभग 3000 रुपये आय अर्जित कर लेता है ।

अब सागर 11वीं कक्षा में जीव विज्ञान की पढ़ाई कर रहा है। वह कह रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर की पढ़ाई करने के बाद उसे इलेक्ट्रॉनिक्स में बहुत रुचि है, लेकिन दुर्भाग्य से उनके गांव में ऐसी कोई सुविधा नहीं है इसलिए वह अपने सपने को पूरा करने के लिए 12वीं के बाद आईटीआई करने की सोच रहा हैं।



## "शुरू करने का सही समय अभी है"



ये कहानी है शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपुर (जुन्नारदेव) जिला छिंदवाड़ा में पढ़ने वाले छात्र दक्ष साहू की, जिनके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, मां सिलाई इत्यादि का कार्य करके आय अर्जित करती हैं। दक्ष ने कक्षा नवमी में व्यावसायिक विषय इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर लेकर अपनी पढाई प्रारंभ की और फिर कहावत है कि जिसके पास हुनर है उसे रोजगार की कमी नहीं, ठीक ऐसा ही हुआ दक्ष के साथ। दक्ष छत के पंखे, टेबल वाले पंखों के कंडेंसर बदलना, सोल्डर करना, मल्टीमीटर का सही तरीके से उपयोग करना इत्यादि सीखे, उन्होंने खराब इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों में डायोड, प्रतिरोध, बैटरी बदलने जैसे कार्यों को प्रारंभ किया और अब वह वर्तमान में घरेलू मरम्मत कर लेता है।



अब वह 10वीं कक्षा में पढ़ रहा है, पढाई के साथ वह हर रविवार को पास की ऐक इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान पर काम करने जाता है और हर बार 100 से 200 रुपए कमा लेता है।

दक्ष जो कुछ भी कर रहा है उससे उनका परिवार बहुत खुश है। उनके माता पिता की इच्छा है कि दक्ष अपनी स्वयं की इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे की दुकान खोले, जिसमे वह उन्हें सुधारने और मरम्मत संबंधी कार्य करे। पढाई उपरांत दक्ष इसके लिए क्रियाशील रहेंगे, वर्तमान में वह इन कार्यों में और भी दक्षता हासिल कर रहे हैं। उनका कहना है कि व्यावसायिक विषय से वह कौशल संबंधी निपूर्णता में परिपक्व हुए है।



## LAQSH Job Skills Academy -Madhya Pradesh June2023

### ” STORY OF SUCCESS “

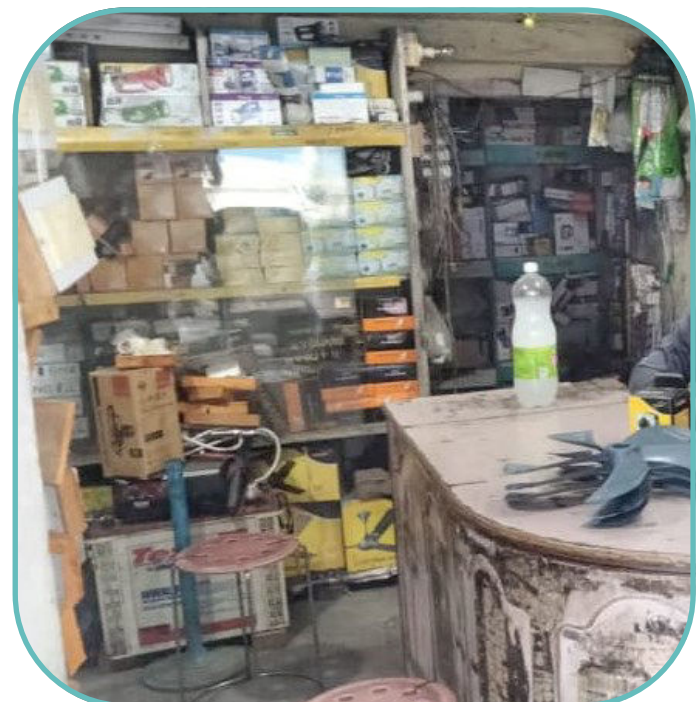
Himanshu Srivastav has found his way to his dream career through Electronics & Hardware course.

After doing electronics and hardware course, Himanshu got a chance to do job training for 20 days . In which he got to learn many things like repairing Electronics & Electrical Home Appliances and got job opportunities in various companies.

Today he is working at a nearby local shop named ‘Sai electricals and electronics’ where he is repairing electronics and electrical equipment like geyser, microwave, oven, ro water purifier and all other home appliances. Himanshu is earning nearly Rs 6000 to 7000 per month by working there.

When Himanshu was asked about his experience, he happily said’ I would like to thank my vocational teacher Arun Kumar Choudhary and I would also like to tell all the students that you can make your dreams come true by taking admission in Electronics and Hardware, just like I did.’ His love and passion for electronics and hardware course has helped him to reach where he is today.

Now Himanshu has successfully passed 12th class .He wishes to study more, he wishes to grow more in electronics field. He aims not only to earn more money, but also to build a career that will bring him joy and satisfaction.



## LAQSH Job Skills Academy -Madhya Pradesh June2023

### संकट के क्षणों को नई शुरुआत के क्षणों में बदलो !!

छात्र हर्ष साहू वह सिहोरा का रहने वाला है। हर्ष साहू ने 9th क्लास में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर विषय का चयन किया क्योंकि उसकी इलेक्ट्रॉनिक्स में विशेष रुचि थी। उसने बताया की उसका सपना इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर बनना है। उसकी पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं है, घर में उसके पिता जी 2 वर्ष पहले कोरोना काल में गुजर चुके हैं जिससे परिवार में आर्थिक स्थिति खराब है। घर का बड़ालड़का होने के कारण अब हर्ष के ऊपर पूरी ज़िम्मेदारी आ चुकी



है, क्योंकि परिवार में माँ पढ़ी लिखी नहीं है और वह एक हाउस वाइफ़ है। इसलिए अब घर की स्थिति सुधारने की ज़िम्मेदारी हर्ष पे आ गयी है। इसके कारण वह अपने करियर में ज्यादा ध्यान दे रहा और यह उसकी एक मजबूरी भी बन चुकी है। इसलिए उसे घर में जब भी फ्री टाइम मिलता था वह इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधी ऑनलाइन वीडियो देखता रहता था और कुछ न कुछ सीखता रहता है। हर्ष साहू अधिकांश समय विद्यालय में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक्स लेब में रहता था और वह कुछ न कुछ पूछता रहता था। इलेक्ट्रॉनिक्स में रहते हुए उसने लाइट बोर्ड बनाना, गीजर, जूसर, आरो, सीरीज टेस्टिंग, और छोटा मोटा काम सुधारना आने लगा। वह स्कूल में लगे पंखे को भी सुधार लेता है और उसने यह कार्य विद्यालय की लेब में किया भी है। इस कार्य के लिए उसे प्राचार्य द्वारा सम्मानित भी किया गया है। हर्ष साहू ने कुछ पैसे जोड़कर अपनी एक इलेक्ट्रॉनिक्स की छोटी सी दुकान खोला है जिसका नाम राकेश इलेक्ट्रॉनिक्स है, जिससे वह कुछ पैसे कमा लेता है। धीरे धीरे वह अपनी दुकान को बड़ी कर लेगा जिससे उसकी अच्छी कमाई होगी, जिससे वह अपना और परिवार का भरण पोषण कर सकता है। हर्ष की यात्रा हमें याद दिलाती है कि नए अवसरों को अपनाने और अपने जुनून का पालन करने से आश्चर्यजनक बदलाव आ सकते हैं। उनका कहानी एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है कि अच्छी तरह से बताई गई कहानियां बड़े संकट के क्षणों को नई शुरुआत के क्षणों में बदलने की क्षमता रखती हैं।



## सपनों को साकार करने की और कदम बढ़ाओ

यह कहानी है शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरम्भा के 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले शुभम सिंह सोलंकी की जिन्होंने विकास और सफलता की एक अद्भुत यात्रा शुरू की है।

बचपन से ही खुशदीप अपने साथियों से अलग थे, इलेक्ट्रॉनिक्स की दुनिया प्रति आकर्षित थे। उन्होंने कक्षा 9वीं में व्यावसायिक ट्रेड इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर विषय को चुना तथा इस विषय को दो साल कक्षा 10 वीं तक पढ़कर इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स के कांसेप्ट को समझा।

तथा अब शुभम सिंह सोलंकी अपने पिताजी की इलेक्ट्रिकल दुकान " सोलंकी इलेक्ट्रिकल्स मोहडी " में घरेलू उपकरणों जैसे - पंखा, कूलर, मिक्सर, विद्युत मोटर इत्यादी की मरमत करता है। तथा उससे आय अर्जित करता है।

शुभम \_व्यावसायिक ट्रेड इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर विषय को पढ़कर तथा इलेक्ट्रिकल के कार्य को करके बहुत खुस है।

और इसी की दुनिया में अपना करियर जारी रखना चाहते हैं। हम शुभम के जुनून और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करते हैं।





## मेहनत का फल !!



विद्यार्थी का नाम हनी रजक है। हनी ने 2022 में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर विषय को कक्षा 9 में चुनाव किया, जब हनी को यह जानकारी दी गई कि वह हिंदी विषय को छोड़कर इस विषय को ले सकता है और इस विषय के बारे में जब उसे बताया गया तब उसकी रुचि इस विषय में बहुत थी।

हनी रजक ने कक्षा 9वीं में इसका अच्छे से अध्ययन किया जिससे उसने बहुत सारी चीजों का प्रैक्टिकल अध्ययन किया। इसके पश्चात हनी गर्मियों की छुट्टी में इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप में जाकर काम करता है, जिससे उसने इलेक्ट्रिकल के छोटे-मोटे काम करने शुरू किए और आज की स्थिति में यह काम उसकी आजीविका का कारण है।

छुट्टियों के दिनों में फिटिंग और कूलर इत्यादि कामों से लगभग 5 से 10 हजार महीना वह कमा लेता है। वह अपने घर में एक छोटी सी इलेक्ट्रॉनिक्स की शॉप खोला है, धीरे धीरे वह उस शॉप को अपनी कमाई से बड़ा करता जा रहा है जिससे उसकी अच्छी कमाई हो रही है।

उसके परिवार बहुत खुश है हनी की इस रुचि से को देखकर। हम हनी को इस सफलता के लिए बधाई देते हैं। उनकी कहानी हमें याद दिलाती है कि अपने हितों को आगे बढ़ाने से करियर के अवसर पूरे हो सकते हैं और व्यक्तिगत विकास हो सकता है।

## LAQSH Job Skills Academy -Madhya Pradesh June2023

“ if there is passion there is success “

Mohit Singh currently is a student of class 11th in GHSS, Bhatanwara, district Satna. He was one of the students of batch 2021-22 who had taken electronics and hardware.

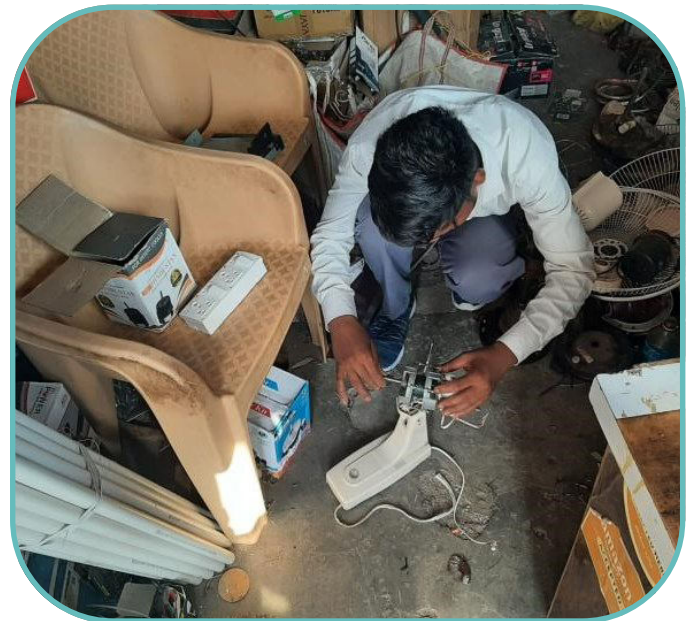
With the help of this course he has learned a lot related to maintenance and repairing of electronics and electrical equipment like geyser, microwave, oven, RO water purifier and all other home appliances.

He is now very well prepared for doing a job or to start a small business, even he has started doing a part time job in a local electronics repairing shop along with his studies.

He is now financially independent and also helping his family. This is possible only with the help of electronics and hardware course. This course has made the students aware of all the electrical equipment.

So this is one of the stories, there are so many more such students who are getting benefited with the help of electronics and hardware course.

Here are some pictures showing the glimpse of him doing a job in a local shop.





## “सपना सिर्फ देखो नही उसे पूरा भी करो ”

यह कहानी है शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरम्भा के 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले युग कुमार लिल्हारे की जिसने कक्षा 9वीं में व्यावसायिक ट्रेड इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर विषय को चुना तथा इस विषय को दो साल कक्षा 10 वीं तक पढ़कर इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स के कांसेप्ट को समझा ।

तथा अब युग कुमार लिल्हारे अपने पिताजी की किराना दुकान “ लिल्हारे किराना भण्डार” में किराना के साथ विद्युत समग्री को सुधारने का कार्य प्रारंभ किया । घरेलू उपकरणों जैसे – पंखा , कूलर , मिक्सर , विद्युत मोटर इत्यादी की मरमत करता है और एक हफ्ते के लिए 500 से 600 कमा लेते हैं इससे खुदका और पढ़ाई का खर्च निकल जाता है।

अब वह आईटीआई की पढ़ाई कर रहा है युग कहता है कि व्यावसायिक शिक्षा ने उसे आईटीआई पढ़ने के लिए प्रेरित किया अब वह इस क्षेत्र में अपना सफर जारी रखना चाहते हैं।

युग कुमार के अनुसार एक छात्र को व्यावसायिक शिक्षा अवश्य लेनी चाहिए क्योंकि इसमें नौकरी के कई अवसर हैं अन्यथा वहां से आप जो कुछ भी सीखते हैं उससे आप हमेशा अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। व्यावसायिक शिक्षा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है।

